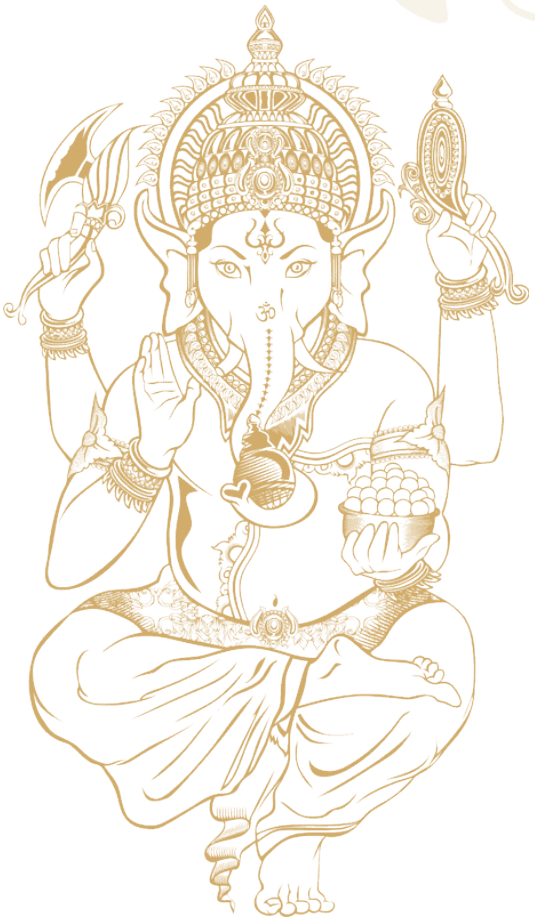

Mr suryamani

Maya Mishra

Model: Web-FreeMatching

Order No: 119562807

पुल्लिंग	लिंग	स्त्रीलिंग
11/09/1992	जन्म तिथि	30-01/05/1995
शुक्रवार	दिन	रवि-सोमवार
घंटे 08:30:00	जन्म समय	01:20:07 घंटे
घटी 06:40:57	जन्म समय(घटी)	49:32:02 घटी
India	देश	India
Rewa	स्थान	Bhadohi
24:32:00 उत्तर	अक्षांश	25:24:00 उत्तर
81:18:00 पूर्व	रेखांश	82:35:00 पूर्व
82:30:00 पूर्व	मध्य रेखांश	82:30:00 पूर्व
घंटे -00:04:48	स्थानिक संस्कार	00:00:20 घंटे
घंटे 00:00:00	ग्रीष्म संस्कार	00:00:00 घंटे
05:49:37	सूर्योदय	05:25:02
18:13:46	सूर्यास्त	18:29:20
23:45:36	चित्रपक्षीय अयनांश	23:47:39

विंशोत्तरी		अंश	राशि	ग्रह	राशि	अंश	विंशोत्तरी	
राहु 7वर्ष 9मा 25दि		00:23:57	तुला	लग्न	मक	24:43:05	सूर्य 5वर्ष 3मा 14दि	
शनि		24:52:14	सिंह	सूर्य	मेष	16:12:26	राहु	
07/07/2016		14:12:27	कुंभ	चंद्र	मेष	28:14:52	13/08/2017	
08/07/2035		05:35:38	मिथु	मंगल	कर्क	26:19:23	14/08/2035	
शनि	11/07/2019	21:11:26	सिंह	बुध	वृष	03:10:00	राहु	26/04/2020
बुध	20/03/2022	29:54:26	सिंह	गुरु व	वृश्चि	20:17:24	गुरु	19/09/2022
केतु	29/04/2023	19:04:02	कन्या	शुक्र	मीन	16:39:41	शनि	26/07/2025
शुक्र	28/06/2026	19:02:13	मक व	शनि	कुंभ	27:32:23	बुध	13/02/2028
सूर्य	10/06/2027	03:18:08	धनु व	राहु व	तुला	11:48:32	केतु	02/03/2029
चन्द्र	09/01/2029	03:18:08	मिथु व	केतु व	मेष	11:48:32	शुक्र	02/03/2032
मंगल	18/02/2030	20:20:35	धनु व	हर्ष	मक	06:40:18	सूर्य	25/01/2033
राहु	25/12/2032	22:29:45	धनु व	नेप व	मक	01:45:14	चन्द्र	26/07/2034
गुरु	08/07/2035	26:53:10	तुला	प्लूटो व	वृश्चि	05:58:10	मंगल	14/08/2035

लग्न-चलित

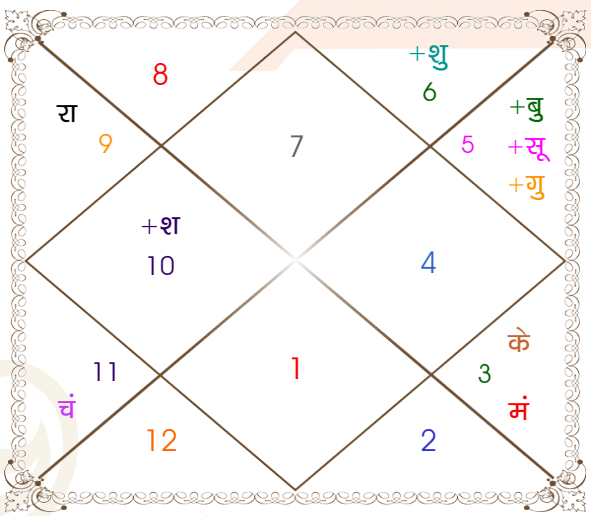

लग्न-चलित

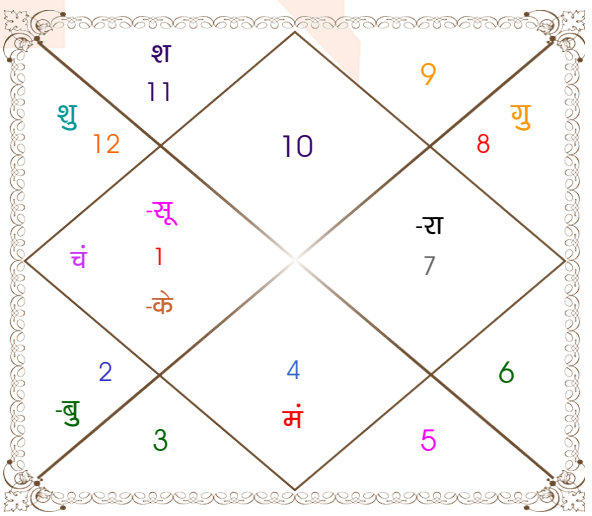

अष्टकूट गुण सारिणी

कूट	वर	कन्या	अंक	प्राप्त	दोष	क्षेत्र
वर्ण	शूद्र	क्षत्रिय	1	0.00	--	जातीय कर्म
वश्य	मानव	चतुष्पाद	2	1.00	--	स्वभाव
तारा	क्षेम	वध	3	1.50	--	भाग्य
योनि	अश्व	मेष	4	3.00	--	यौन विचार
मैत्री	शनि	मंगल	5	0.50	--	आपसी सम्बन्ध
गण	राक्षस	राक्षस	6	6.00	--	सामाजिकता
भकूट	कुम्भ	मेष	7	7.00	--	जीवन शैली
नाड़ी	आद्य	अन्त्य	8	8.00	--	स्वास्थ्य/संतान
कुल :			36	27.00		

डत`नतलंउंदप का वर्ग मेष है तथा डंलं डपींतं का वर्ग गरूड़ है। इन दोनों वर्गों में परस्पर सम है।

अष्टकूट मिलान के अनुसार डत`नतलंउंदप और डंलं डपींतं का मिलान अत्युत्तम है।

मंगलीक दोष मिलान

डत`नतलंउंदप मंगलीक नही है क्योंकि मंगल लग्न कुण्डली में नवम् भाव में स्थित है।

डंलं डपींतं मंगलीक है क्योंकि मंगल लग्न कुण्डली में सप्तम् भाव में स्थित है।

चतुः सप्तमे भौमो मेषकर्कटे निग्रहः।
कुजदोषो न विद्यते।।

अर्थात् चतुर्थ तथा सप्तम भाव में यदि मेष या कर्क का मंगल हो तो कुजदोष समाप्त हो जाता है।

क्योंकि मंगल डंलं डपींतं कि कुण्डली में सप्तम् भाव में कर्क राशि में स्थित है अतः मंगलीक दोष प्रभावहीन हो जाता है।

भौमेः वक्रिणि नीचगृहे वाऽर्कस्थेऽपि वा न कुजदोषः।

अर्थात् यदि मंगल वक्री, नीच, अस्त का हो तो मंगल दोष नहीं होता है।

क्योंकि मंगल डंलं डपींतं कि कुण्डली में नीच का है अतः मंगलीक दोष प्रभावहीन हो जाता है।

सप्तमो यदा भौमः गुरूणां च निरीक्षिता।

तदास्तु सर्वसौख्यं च मंगली दोषनाशकृत्।।

सप्तम मंगल को गुरु देखता हो मंगली दोष कट जाता है।

क्योंकि डंलं डपींतं कि कुण्डली में सप्तम मंगल को गुरु देखता है अतः मंगलीक दोष प्रभावहीन हो जाता है।

त्रिषट् एकादशे राहू त्रिषट् एकादशे शनिः।
त्रिषट् एकादशे भौमः सर्वदोषविनाशकृत्।।

वर या कन्या की कुंडली में से एक मंगलीक हो और दूसरे की कुंडली में 3,6,11 वें भावों में राहु, मंगल या शनि हो तो मंगलीक दोष समाप्त हो जाता है।

क्योंकि राहु डत॓नतलंउंदप कि कुण्डली में तृतीय भाव में स्थित है अतः मंगलीक दोष कट जाता है।

डत॓नतलंउंदप तथा डंलं डपींतं में मंगलीक मिलान ठीक है।

निष्कर्ष

अष्टकूट एवं मंगलीक दोष न होने के कारण दोनों का मिलान उत्तम हैं।